ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2018; 4(10): 455-459
www.allresearchjournal.com
Received: 26-08-2018
Accepted: 30-09-2018

Dr. Sima Kumari
Designation - 10+2 Teacher, Department Geography, School - High School (10+2), Paliganj, Patna, Bihar, India

Corresponding Author:
Dr. Sima Kumari
Designation - 10+2 Teacher, Department Geography, School - High School (10+2), Paliganj, Patna, Bihar, India

पलामू जिले में जीवनस्तर की गुणवत्ता का भौगोलिक विश्लेषण

Dr. Sima Kumari

सारांश-

यह विश्लेषण पलामू जिले की वर्ष 2011 *की जनगणना पर आधारित है। इस विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य पलामू क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली* 21 *खण्डो अथवा तहसीलो में जीवनस्तर की गुणवत्ता का भौगोलिक अध्ययन करना है। इसके अंतर्गत जीवनस्तर की गुणवत्त्ता के आधार का आंकलन करने हेतु पलामू क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं में से आवास, विद्यालय तथा क्षेत्र के समस्त स्वास्थ्य केन्द्रो (जिला / अनुमंडलस्तर के अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थय उप केंद्र, सामुदायिक स्वस्थ्य केंद्र) का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।*

मूल शब्द– जीवनस्तर, भौगोलिक, मानव विकास सूचकांक, जिला सांख्यिकी पुस्तिका

प्रस्तावना

जीवनस्तर की गुणवत्ता एक समग्र अवधारणा है जिसमे संयुक्त रूप से सभी पहलूओ का आंकलन सम्मिलित होता है। जीवनस्तर की गुणवता आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक तथा राजनीतिक संदर्भो का मिला जिला एक भौगोलिक परिणाम है जो उस स्थान विशेष के विकास तथा प्रगति का द्योतक माना जा सकता है।[2] *औसत जीवन की गुणवत्ता, मानव विकास सूचकांक* -1990 *से संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रम द्वारा स्थापित मानव कल्याण के संकेतकों से जुडी है यह संकेतक मानव कल्याण के सभी क्षेत्रो शारीरिक स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, धन, परिवार, आवास तथा पर्यावरण में आये परिवर्तनों की एक श्रृंखला का निर्माण करते है जिससे नकारात्मक अथवा सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते है। ऐसा ही आंकलन इस शोध में भी किया गया है जिसके अंतर्गत अध्ययन क्षेत्र पलामू के जीवन स्तर को दर्शाते तीन संकेतक- स्वास्थ्य, आवास तथा शिक्षा का गहन अध्ययन इस क्षेत्र के विकास अथवा पिछड़ेपन की ओर संकेत करता है।*

अध्ययन के उद्देश्य-

इस अध्ययन के उद्देश्यों के अंतर्गत पलामू क्षेत्र में वर्तमान स्थिति का आंकलन अथवा विकास की दिशा में पलामू क्षेत्र का अध्ययन निम्न बिन्दुओ के माध्यम से किया जा रहा है।

- पलामू क्षेत्र में विकास की प्रक्रिया का अध्ययन करना
- जीवनस्तर की गुणवत्ता के सम्बन्ध में पलामू की वर्तमान स्थिति का आंकलन करना।

अध्ययन क्षेत्र –

5043.8 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में विस्तृत्त पलामू झारखण्ड राज्य का एक उत्तर-पश्चिमी जिला है। $23^{0}50'$ से $24^{0}8'$ उत्तरी अक्षांश तथा $83^{0}55'$ से $84^{0}30'$ पूर्वी देशांतर में अवस्थित पलामू जिले में कुल 3 उपखण्ड, 21 खंड (तहसील) एवं 1918 गाँव सम्मिलित है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक इस क्षेत्र की कुल जनसख्या 19,36,319 है जिसके अंतर्गत पुरुष तथा महिला जनसँख्या क्रमशः 10,03,876 (पुरूष), 9,32,443(महिला) इस प्रकार है।

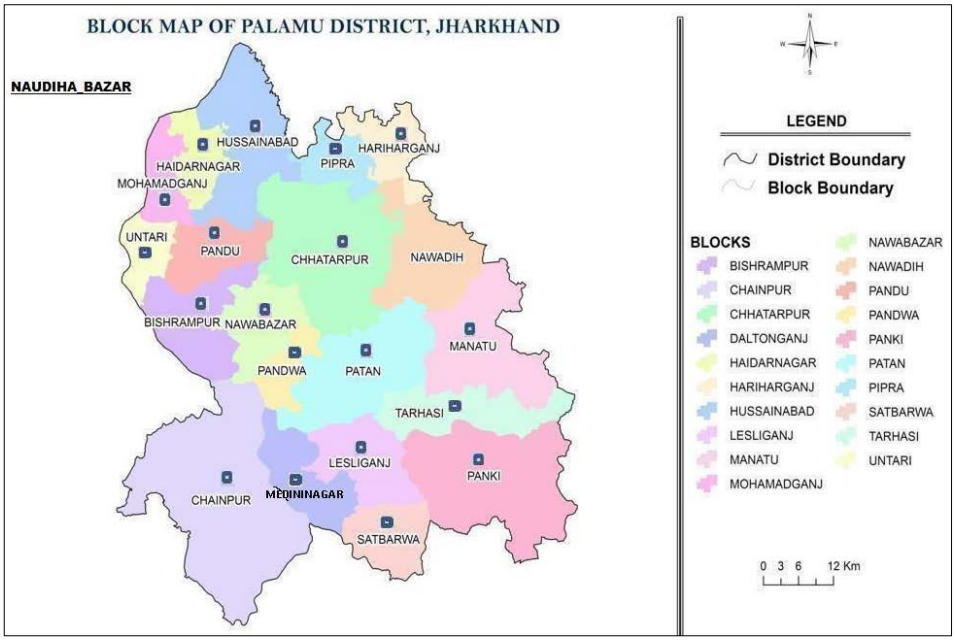

चित्र 1: पलामू क्षेत्र का नक्शा

विश्लेषणात्मक अध्ययन

यह अध्ययन जिला सांख्यिकी पुस्तिका से प्राप्त द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। पलामू क्षेत्र की ग्रामीण तथा शहरी जनसंख्या के जीवन स्तर की गुणवता के वास्तविक अध्ययन हेतु इस शोध में तीन मानकों - क्षेत्र के स्थायी मकान (घर), स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या तथा विद्यालयों की कुल संख्या को खडं स्तर पर विभाजित करने के पश्चात आंकलन तथा विश्लेषणात्मक विधि द्वारा आंकड़ों को उद्धृत कर उनके प्रतुतीकरण के आधार पर अध्ययन क्षेत्र की गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन विधि के रूप में आंकड़ों को निम्न स्तर के आंकड़े, माध्यम स्तर के आंकड़े, तथा उच्च स्तर के आंकड़ों के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

- निम्न स्तर
- माध्यम स्तर
- उच्च स्तर

1. स्वास्थ्य सुविधाएं

किसी भी प्राणी का स्वस्थ होना उसके स्वस्थ भौगोलिक परिवेश का परिचयक होता है। अतः स्वास्थ्य के क्षेत्र में पलामू जिले में आये परिवर्त्तनो को यहाँ की स्वास्थ्य सुविधाओं के माधयम से समीक्षा करना अति आवशयक है। [5]

तालिका -1 से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है की सर्वाधिक प्रतिशत (75.24) चैनपुर ब्लॉक का है अतः यह क्षेत्र स्वास्थ्य के मामले में उच्च स्तर पर है।

पांच खंड क्षेत्रो की स्थिति मध्यम स्तर की है जिसके अंतर्गत छतरपुर, हुस्सैनाबाद, लेस्लीगंज, पांकी, पाटन खंड क्षेत्र आते हैं।

पलामू क्षेत्र के अधिकतर खंड निम्न स्वास्थ्य सुविधाओं वाले है। यह क्षेत्र आर्थिक विकास की गति में पिछड़े क्षेत्रो के अंतर्गत आते है। अतः स्वास्थ्य के क्षेत्र में इन खंडो में बहुत न्यून विकास हुआ है। इन पिछड़े क्षेत्रो के अंतर्गत पलामू के निम्न 15 खंड आते है। बिश्रामपुर, डाल्टनगंज, हैदरनगर, हरिहरगंज, मनातु, मोहम्मदगंज, नावा बाज़ार, नवडीहा बाज़ार, पांडू, पीपरा, रामगढ, सतबरवा, तरहसी, उंटारी रोड, पंडवा ।

तालिका 1: पलामू जिले में तहसील स्तर पर स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या (२०११ की जनगणना के अनुसार)

क्रम सं	खंड /ब्लॉक/तहसील	स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या	प्रतिशत में (%)
1	बिश्रामपुर	10	20.9
2	चैनपुर	36	75.24
3	छतरपुर	14	29.26
4	डाल्टनगंज	3	6.27
5	हैदरनगर	7	14.63
6	हरिहरगंज	10	20.9
7	हुस्सैनाबाद	19	39.71
8	लेस्लीगंज	17	35.53
9	मनातु	5	10.45
10	मोहम्मदगंज	6	12.54
11	नावा बाज़ार	3	6.27
12	नवडीहा बाज़ार	8	16.72
13	पांडू	6	12.54
14	पंडवा	-----	0
15	पांकी	19	39.71
16	पाटन	21	43.89
17	पीपरा	9	18.31
18	रामगढ	3	6.27
19	सतबरवा	2	4.18
20	तरहसी	9	18.81
21	उंटारी रोड	2	4.18
		209	

2. शिक्षा सुविधाएं-

शिक्षा किसी भी क्षेत्र विशेष की उन्नति में सबसे महत्वपूर्ण कारको के अंतर्गत आती है शिक्षा मानव विकास के साथ साथ भौगिलिक विकास की भी परिचायक मानी गयी है अतः स्वास्थ्य सुविधाओं का अध्ययन तथा विश्लेषण के पश्चात शिक्षा व्यवस्थायो के क्षेत्र में आंकलन बेहद कारगर सिद्ध होगा। झारखण्ड राज्य के ग्रामीण बाहुल्य क्षत्रो के समस्यात्मक कारको मे शिक्षा का अभाव अति महत्वपूर्ण संकेतक है। [1]

अध्ययन क्षेत्र के समस्त 21 खंड स्तरों के सभी विद्यालयो को इसके अंतर्गत चुना गया है जिसका सम्पूर्ण विशेलषण तालिका -2 में उद्धृत किया गया है।

तालिका -2: पलामू जिले में तहसील स्तर पर विद्यालयों की संख्या (२०११ की जनगणना के अनुसार)

क्र.स.	प्रखंड का नाम	विद्यालय
1	बिश्रामपुर	120
2	चैनपुर	223
3	छतरपुर	250
4	डाल्टनगंज	176
5	हैदरनगर	63
6	हरिहरगंज	85
7	हुस्सैनाबाद	174
8	लेस्लीगंज	155
9	मनातु	86
10	मोहम्मदगंज	44
11	नावा बाज़ार	72
12	नवडीहा बाज़ार	138
13	पांडू	75
14	पंडवा	59
15	पांकी	293
16	पाटन	191
17	पीपरा	59
18	रामगढ	84
19	सतबरवा	138
20	तरहसी	116
21	उंटारी रोड	40

तालिका -2 के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि सर्वाधिक विद्यालयों की संख्या पांकी खंड तहसील के अंतर्गत है जो 293 विद्यालय है इसके पश्चात

बिश्रामपुर तथा छतरपुर खंड क्षेत्र में क्रमशः 250, 223 विद्यालय क्रियान्वित हैं

बिश्रामपुर, डाल्टनगंज, हुस्सैनाबाद, लेस्लीगंज, नवडीहा बाज़ार, पाटन, सतबरवा तथा तरहसी खंड शिक्षा क्षेत्र में मध्यम भूमिका में है।

पलामू क्षेत्र के 10 खंडो में शिक्षा सुविधाओं की निम्न स्तिथि इन क्षेत्रो के शैक्षिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण है। इसके अंतर्गत आने वाले खंड क्षेत्र निम्न है - हैदरनगर, हरिहरगंज, मनातु, मोहम्मदगंज,नावा बाज़ार, पांडू, पंडवा, पीपरा, रामगढ तथा उंटारी रोड [3]

आवासीय सुविधाएं –

तालिका -3: पलामू जिले में तहसील स्तर पर आवास की संख्या (२०११ की जनगणना के अनुसार)

क्र.स.	प्रखंड का नाम	आवास
1	बिश्रामपुर	18,285
2	चैनपुर	42,957
3	छतरपुर	25,793
4	डाल्टनगंज	37,149
5	हैदरनगर	11,898
6	हरिहरगंज	12,793
7	हुस्सैनाबाद	26,887
8	लेस्लीगंज	20,805
9	मनातु	8,805
10	मोहम्मदगंज	7,924
11	नावा बाज़ार	8,855
12	नवडीहा बाज़ार	13,604
13	पांडू	12,041
14	पंडवा	8,984
15	पांकी	30,900
16	पाटन	25,183
17	पीपरा	6,561
18	रामगढ	
19	सतबरवा	12,560
20	तरहसी	16,503
21	उंटारी रोड	7,232

तालिका -3 से प्राप्त आवास गणना संबंधी आंकड़े अध्ययन क्षेत्र की आवासीय स्थिति का आंकलन करते है। जिसके अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी निकाय के सभी 21 खंडो के आवासों का आंकलन है

तालिका -3 के अध्ययन से ज्ञात होता है सर्वाधिक विकसित आवासीय क्षेत्रो में 4 खंडो की स्थिति बेहतर है जिसमे चैनपुर (42,957), छतरपुर (25,793), डाल्टनगंज (37,149), पांकी खंड (30,900) क्षेत्र आते है।

जिले के 9 खंड क्षेत्रो के अंतर्गत स्थायी आवासों की संख्या मध्यम स्थिति का निरूपण करती है अतः कहा जा सकता है कि इन् क्षेत्रो में विकास की गति धीमी है।

मध्यम आवासीय खंड क्षेत्रों में बिश्रामपुर, हैदरनगर, हरिहरगंज,लेस्लीगंज, नवडीहा बाज़ार, पांडू, सतबरवा, तरहसी क्षेत्र सम्मिलित हैं।

जिले में सर्वाधिक न्यून अथवा निम्न स्थिति मनातु, मोहम्मदगंज, पंडवा, पीपरा, उंटारी रोड क्षेत्रो की है परिणामसवूप यहाँ जनसँख्या में भी कमी देखी जा सकती है। [4]

निष्कर्ष –

पलामू क्षेत्र की जीवन गुणवत्ता का निर्धारण करने वाले कारको के गहन अध्ध्य्यन कें पश्चात निष्कर्षः यह कहा जा सकता है की कुछेक खंडो में विकास की गति शेष पिछड़े खंड क्षेत्रो की तुलना में उच्च स्तर की है। अध्ययन क्षेत्र के 7 खंडो में ही मानव सूचकांक के संपन्न साधन उपलब्ध है इनके अंतर्गत चैनपुर, पांकी, बिश्रामपुर, छतरपुर, हुस्सैनाबाद, लेस्लीगंज, डाल्टनगंज क्षेत्र आते है। झारखण्ड राज्य के आर्थिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण इन क्षेत्रो का वीकसित न होना भी है। मध्यम स्तर तथा निम्न स्तर के खंड क्षेत्रो में शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के अलावा यहाँ की भौगोलिक परिस्थितिया भी जिम्मेदार हैं। इन क्षेत्रो में विकास की गति अत्यधिक मंद है जिस पर राज्य सरकार को विशेष दिए जाने की आवश्यकता है। ताकि इन क्षेत्रो के भी सर्वांङ्गीण विकास संभव हो सके।

सन्दर्भ सूची-

1. Singh Krishna M, Meena MS, Kumar Abhay, Singh R. Socio-Economic Determinants of Rural Poverty: An Empirical Exploration of Jharkhand State, India, September 13, 2011.
2. Barcaccia Barbara. Quality Of Life: Everyone Wants It, But What Is It? 4 September, 2013.
3. जिला सांख्यिकी पुस्तिका पृष्ट 145
4. जिला सांख्यिकी पुस्तिका पृष्ट 356
5. Indrani Gupta, Arup Mitra. Basic amenities and health in urban India. The National medical journal of India, 2002.15(1):26-31